<u>संदेश</u>

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मैं, सभी देशवासियों और विदेश में बसे हुए भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

जन्माष्टमी, भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला पावन पर्व है जो हमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन उपदेश से शिक्षा लेने का अवसर प्रदान करता है। यह त्योहार समाज में प्रेम और समर्पण की भावना को बढ़ावा देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने मानव कल्याण के लिए अन्याय का विरोध किया और न्याय एवं धर्म का साथ देकर एक आदर्श समाज स्थापित करने की शिक्षा दी है। गीता के उपदेश के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने 'निष्काम कर्म' अर्थात फल की इच्छा किए बिना कर्म करने का संदेश दिया है।

आइए, हम सब भगवान श्रीकृष्ण के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लें तथा जन-कल्याण की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाएं।

****